Rajasthan Patrika
Jaipur, 24 January 2016

'अच्छी स्टोरी होती है, तो पन्ने खुद-ब-खुद पलट जाते हैं'

जाने-माने फिक्शन और थ्रिलर नॉवलिस्ट अश्विन सांघी ने शेयर किए एक्सपीरियंस

'एक अच्छी स्टोरी या फिर किताब वह होती है, जिसके पन्ने खुद-ब-खुद पलटते जाएं और खत्म होने के बाद ही रुकें। अक्सर लोग किताबों को खरीद तो लेते हैं, लेकिन पूरा नहीं पढ़ते। एक लेखक के लिए जरूरी है कि उसकी किताब के प्रति रीडर की जिज्ञासा हर पन्ने के साथ बढ़ती जाए।' हिस्ट्री और माइथोलॉजी नॉवल्स के जाने-माने ऑथर अश्विन सांघी कुछ ऐसा ही मानते हैं। उन्होंने शनिवार को राजस्थान पत्रिका के मुख्यालय 'केसरगढ़' में आयोजित कन्वर्सेशन में अपने अनुभव शेयर किए। इस दौरान उन्होंने अपनी राइटिंग जर्नी के कई पन्ने खोले। उल्लेखनीय है कि सांघी के तीन नॉवल बेस्ट सेलिंग में शुमार हैं।

बार-बार रिजेक्शन, फिर बने बेस्ट सेलर

सांघी बेस्ट सेलर ऐसे ही नहीं बने हैं, इसके लिए उन्हें काफी मेहनत और संघर्ष करना पड़ा है। पहले नॉवल को 40 पब्लिशर्स ने रिजेक्ट कर दिया, उसके बाद सांघी ने खुद नॉवल को पब्लिश करवाया। बाद में वेस्टलैंड ने सांघी को मौका दिया। सांघी कहते हैं, 'रिजेक्शन ने मुझे हौसला दिया और मैं ज्यादा से ज्यादा आगे बढ़ पाया। यहां तक कि जब लोगों ने मुझे कहा कि आपकी राइटिंग में गहराई नहीं है, तब भी मैंने हार नहीं मानी।' सांघी किसी भी नॉवल को लिखने से पहले काफी रिसर्च करते हैं और जरूरत पड़ने पर यात्राएं भी करते हैं।

हर जोनर पर लिखना चाहता हूं

मुझे इस बात पर डर लगता है कि कोई मुझे 'राइटर ऑफ माइथोलॉजी' के रूप में जाने। मैं रोमांस और साइंस फिक्शन सहित हर जोनर पर लिखना चाहता हूं। वे अपने आपको राइटर की जगह स्टोरीटेलर मानते हैं। वैसे सांघी बिजनेस फैमिली से बिलॉन्ग हैं, लेकिन उन्होंने बिजनेस से हटकर राइटिंग को चुना। सांघी बताते हैं कि, 'मेरे नानाजी से मुझे लिखने की प्रेरणा मिली, बचपन में वे मुझे बुक्स भेजते थे और उनके बारे में लिखने को कहते थे।'

जो दिखता है, वो बिकता है

सांघी का मानना है कि आज के दौर में मार्केटिंग बहुत जरूरी है, जो दिखता है, वही बिकता है। उन्होंने स्कूलों में हिस्ट्री एजुकेशन को भी रोचक बनाने बात कही। साथ ही बिजनेस और पॉलिटिक्स के संबंध पर भी विचार व्यक्त किए।